### अब थाईलैंड में होगी रिड्यूस, रियूज़, रिसाइकल पर नौवीं एशिया पेसिफिक कान्फ्रेंस

# तीन दिन के मंथन से निकला इंदौर-ड्राफ्ट, आखिरी दिन कई देशों ने करवाया बदलाव

**इंदौर** | 3-आर (रिड्यूस, रियूज़, रिसाइकल) कॉन्फ्रेंस के अलग-अलग सत्रों में जितनी भी चर्चा हुई, उसके सार को इंदौर-ड्राफ्ट के रूप में गुरुवार को आखिरी दिन केंद्रीय शहरी विकास मंत्रालय के सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने रखा। इसमें थाईलैंड, मलेशिया, जापान, मकाऊ, म्यांमार, फिलिपींस, श्रीलंका, इंडोनेशिया सहित कई देशों ने बदलाव करवाया। इसके बाद इसे पारित किया गया।

## संशोधन : ड्राफ्ट में बदलाव कर बताई अपनी पॉलिसी, इरादे और लक्ष्य

ड्रॉफ्ट को लेकर कजाकिस्तान के दल से चर्चा करते हुए भारतीय प्रतिनिधि।

**भारत :** साइंटिफिक मैनेजमेंट के आधार पर देश के 4041 शहरों में स्वच्छ भारत मिशन के तहत काम हो रहा है। हमने हमारी पॉलिसी बना ली है। इस क्षेत्र में कचरे से खाद व बिजली बनाने, प्लास्टिक से रोड और कंस्ट्रक्शन मटेरियल बनाया। अब इससे दोबारा निर्माण की सामग्री बनाने का लक्ष्य हैं।

**इंडोनेशिया :** यहां भी राष्ट्रीय स्तर पर पॉलिसी बनी है। मास्टर प्लान के आधार पर 30 प्रतिशत कचरे को कम करना और 70 प्रतिशत कचरे को 2025 तक पूरी तरह खत्म करने का लक्ष्य।

**जापान :** यहां साउंड मटेरियल साइकिल सोसायटी 2000 में बनाई गई थी। अवेयरनेस के प्रोग्राम भी चलाए। सपोरो स्लिम संडे जैसे अभियान चलाए। 2018 के मध्य में एक बड़ी पॉलिसी सरकार के स्तर पर जारी होगी।

**मलेशिया :** यहां 2016 में सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट पॉलिसी में बदलाव किया गया। 2020 तक यहां 40 प्रतिशत लैंडफील साइट को भरा जाएगा।

**सिंगापुर :** सिंगापुर ने 2030 तक लक्ष्य तय किया है। इस अवधि में 70 प्रतिशत कचरे को रिसाइकल कर यूज किया जाएगा। इसी के साथ जीरो वेस्ट के लिए 3-आर पर भी काम होगा।

## सराहना : मेहमान बोले- ट्रेंचिंग ग्राउंड हो जाएगा खत्म

कॉन्फ्रेंस के बाद शाम साढ़े चार बजे विदेश मेहमान चार बस से एमआर-10 स्थित स्टार चौराहे पहुंचे और निगम का अत्याधुनिक कचरा ट्रांसफर स्टेशन देखा। उन्होंने देखा कि यहां किसी कचरा गाड़ी आने के बाद आरएफ टेक्निक से कैसे मॉनीटरिंग होती है? कैसे भरी हुई गाड़ी तुलती है? फिर कैसे सूखे और गीले कचरे के साथ अलग-अलग तुलती है? कंसल्टेंट असद वारसी और एल्बिज के प्रवीण व्यास, प्रदीप यादव ने उन्हें पूरी तकनीक समझाई, जिसे मेहमानों ने सराहा भी। इसके बाद सभी चोइथराम स्थित फल-सब्जी मंडी पहुंचे। यहां उन्होंने फल-सब्जी के वेस्ट से खाद और गैस बनने के दो प्रोजेक्ट देखे। पूछा भी कि कैसे गैस स्टोर होगी? कैसे बसों में भरी जाएगी? यहां से टीम साढ़े छह बजे ट्रेंचिंग ग्राउंड पहुंची। वहां मेहमानों ने गीले कचरे से खाद बनाने के प्लांट, मटेरियल रिकवरी व प्लास्टिक कलेक्शन सेंटर और लैंडफिल साइट देखी। उन्होंने कहा कि जिस तरह यहां काम चल रहा है, उससे लगता है कि कुछ सालों में ट्रेंचिंग ग्राउंड खत्म हो जाएगा।

3-आर कॉन्फ्रेंस के आखिरी दिन महापौर मालिनी गौड़ को शहरी विकास मंत्रालय के सचिव दुर्गाशंकर मिश्रा ने ड्राफ्ट की कॉपी सौंपी।

## सम्मान : सफाई में बेहतर कार्य के लिए इंदौर की दो संस्थाओं को अवॉर्ड

स्वच्छता के क्षेत्र में उल्लेखनीय काम करने वाले एनजीओ, शहर और राज्यों को कॉन्फ्रेंस में सम्मानित किया गया। इंदौर में नगर निगम के साथ काम कर रही संस्था ईको प्रो-इन्वायर्न्मेंट के लिए असद वारसी, अजय जैन और एनजीओ बेसिक्स के गोपाल जगताप को सम्मानित किया गया।

## किसने क्या कहा .... इंदौर ड्राफ्ट के हिसाब से अपने-अपने यहां काम करेंगे विभिन्न देश

### यहां से निकले निष्कर्ष बहुत उपयोगी होंगे

स्वच्छ जल, वायु और जमीन की प्राप्ति के लिए इस कॉन्फ्रेंस में हुई चर्चा और इससे निकले निष्कर्ष बहुत उपयोगी होंगे। 3-आर के प्रभावी उपयोग के बारे में ड्राफ्ट को विश्व के विभिन्न शहरों के महापौर और प्रतिनिधियों द्वारा स्वीकार व हस्ताक्षरित किया गया।

**-ब्रीजिट बैराल्ड, सीनियर इकोनॉमिक आफिसर संयुक्त राष्ट्र संघ**

### सहयोग पर निर्भर करती है सफलता

3-आर की सफलता परस्पर सहयोग पर निर्भर करती है। पहली बार इस तरह की समिट में स्थानीय जनता, समुदाय और स्थानीय प्रशासन की भूमिका पर भी ध्यान केंद्रित किया गया है।

**- आशुओ तकाशी, पर्यावरण उप मंत्री जापान**

### इंदौर से विभिन्न देशों ने सीखी नई बातें

कॉन्फ्रेंस का उद्देश्य विकसित और विकासशील देशों को एक मंच पर लाना था। कॉन्फ्रेंस में विभिन्न देशों के प्रतिनिधियों ने स्वच्छता मिशन के तहत चल रही गतिविधियों के संबंध में वैचारिक आदान-प्रदान कर कई नई बातें सीखीं, जिन्हें वे अपने यहां लागू करेंगे।

**- माया सिंह, नगरीय प्रशासन मंत्री मप्र**